>

Title: Issue regarding functioning of National Rural Health Mission in the country.

श्री धनंजय सिंह (जौनपुर): सभापति महोदय, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। माननीय मंत्री सलमान खुर्शीद साहब भी सदन में उपस्थित हैं। मैं एक बहुत महत्वपूर्ण विषय की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। सभापति जी, निश्चित रूप से आप भी इस समस्या से ग्रसित होंगे। भारत सरकार की एक बहुत महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी योजना एनआरएचएम देश में चल रही है। एनआरएचएम के माध्यम से सरकार का उद्देश्य था कि हम रूरल एरियाज में हेल्थ को बेहतर करें, लेकिन जो उद्देश्य था उससे इतर हम देखते हैं कि हम केवल निर्माण की प्रक्रिया में ही रह गए हैं। आज जितने भी रूरल एरियाज में हास्पिटल्स हैं, सीएचसीज हैं, हम अगर देश भर में देखें तो लगभग 4500 के आसपास सीएचजीज बनी हुयी हैं। डिस्ट्रिक्ट हास्पिटल्स और सब डिविजनल हास्पिटल्स की भी संख्या लगभग 1570 के आसपास है। हम देखते हैं कि जो हमारे डिस्ट्रिक्ट हास्पिटल्स हैं, वे जिन सुविधाओं से लैस होने चाहिए, वे नहीं हैं। एनआरएचएम का पैसा अननेसेसरी बर्बाद हो रहा है। हम इफ्रास्ट्रक्चर खड़े करते जा रहे हैं, लेकिन जो सुविधायें अस्पतालाओं में मिलनी चाहिए, वे नहीं मिल पा रही हैं।

आप डिस्ट्रिक्ट हास्पिटल फरूखाबाद को देख लीजिए, बस्ती को देख लीजिए, तमाम ऐसे डिस्ट्रिक्ट हास्पिटल्स हैं, जहां सिटी स्कैन की सुविधा नहीं है, एमआरआई की सुविधा नहीं है एवं बहुत से ऐसे डिस्ट्रिक्ट हास्पिटल्स हैं जहां अल्ट्रासाउंड की भी सुविधा नहीं है, जिसकी वजह से गरीब आदमी, जो गांव, देहात का आदमी है, उसको पैथॉलाजी में जो टेस्ट कराने होते हैं, उसे बहुत महंगाई का सामना करना पड़ता है और तरह-तरह के शोषण का सामना करना पड़ता है।

मेरा आपसे आग्रह है कि जो एनआरएचएम का जो पैसा है, आपके माध्यम से सरकार को एक जरूर निर्देश जाए, जिससे इन अस्पतालों में, डिस्ट्रिक्ट हास्पिटल्स में कम से कम ऐसी सुविधायें प्रदान की जाएं। इसके साथ-साथ सीएचजीज में कम से कम एक्स-रे मशीनों की व्यवस्था जरूर करायी जाए, ताकि ग्रामीण आदमी एक्स-रे कराने के लिए डिस्ट्रिक्ट हास्पिटल न आए। अभी सीएचजीज में ऐसी सुविधायें नहीं हैं।

इसके साथ-साथ आप इसमें कुछ इंप्लायमेंट भी जेनरेट करेंगे। देश में बहुत बड़ी तादाद में टेक्नेशियंस एक्स-रे के हैं, अल्ट्रासाउंड के हैं, तमाम ऐसे टेक्नेशियंस बेरोजगार बैठे हैं, उनको भी काम मिलेगा।

सभापति महोदय : आपका विषय महत्वपूर्ण है और आ गया है।

श्री धनंजय सिंह : सभापति महोदय, मेरा आपसे आग्रह है कि जरूर सरकार को आप पीठ से निर्देशित करेंगे।